KERALA SCHOOL KALOLSAVAM 2016-17
KANNUR - 2017 JANUARY 16-22
Code No. 668

नन्ही कली जैसा स्त्री

एक नन्ही कली खिलती समय
खुशी होगी बिलकुल नया सा
सोचोगी की, पौधे की सुंदरता बढ़ेगी अब, तो सुनो
वह कली है हमेशा लड़की

जब भी एक नन्ही मुन्नी बच्ची होगी
उम्मीद करो, वही बढ़ाएगी देश की शोभा
जमीन से आसमान तक बढ़ेगी देश
यही है एक स्त्री की रूप

जो देश की शोभा है
जो देश की दिया है
जो ~~देशी~~ देश की खुशी है
वह कली है हमेशा लड़की

एक नन्ही कली खिलती समय
उसकी पंखुड़ियाँ होगी उसकी रूप, वैसा ही
ईमान, चरित्रशुद्धि, दीया, विनय और अलंकार प्रेम।
यही है एक स्त्री का रूप

जो देश वासियों को सम्मान करे
जो दूसरों कलिए जीते है
स्वयं से दूसरों की शोभा बढ़ती है
वह कली है हमेशा लड़की

code no. 668

KERALA SCHOOL OF LOGOS
PROGRAMME COMMITTEE
2017

सिर्फ घर की नहीं देश की दिया
चाहे वो काली रंग में क्यों न हो, पर
दिल उसकी हमेशा सफेद रहती है
वही है एक स्त्री की रूप
जो सच्च की राह से कभी पाउ
नहीं हटती
जो ईश्वर की पूजा करती, हर वक्त
जो अपनी काटों से तक दूसरों की
तकलीफ मिटाती
वह कली है हमेशा लड़की
चाहे उसे अक्षरज्ञान क्यों न मिली हो
वह स्वयं ही प्राप्त करती है.
अपनी जीवन से
वही है एक स्त्री की रूप
तो बच्चा, तुम भी सीखो की
कैसे औरत की सम्मान करें
नहीं तो नारीशक्ति हराएगी
तुम्हें, अपनी जीवन में
स्त्री, जो ईश्वर की रूप है
स्त्री, जो देवता है
स्त्री, जो अनोखी शक्ति है
उसकी सम्मान करना तुम
जैसे नन्ही कली अपनी भावी
परंपरा कालिए सोचती है सब
वैसा ही, स्त्री अपनी भावी परंपरा
कालिए दर्द सहती है
जहाँ स्त्री, वहाँ खुशियाँ
नन्ही कली बौधा की शोभा है
और स्त्री भी देश की शोभा..
उस स्त्री को सलाम....

Code No. 1621

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

इन सभी कारणों से,
~~जब~~ एक कली खिलती समय पर
'तुम' नहीं 'मैं' नहीं 'सब'
स्त्री को याद करना....

~~अर~~ उसकी मेहनत और अकलंकता
के लिए
उसकी ~~नर्म~~ तरपण और विनय
के लिए
उसकी ~~सहनशक्ती~~ ~~स्वभाव~~
के लिए
हजार बार सलाम....